वर्षः- 06
अंकः- 02
मुरादाबाद
(Thursday)
23 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

विश्व पृथ्वी दिवसः नई पीढ़ियों के लिए धरती को बचाना हमारी प्रतिज्ञा है, पीएम मोदी ने दिया दुनिया को संदेश

पहलगाम हमले की बरसीः PM मोदी ने जान गंवाने वाले निर्दोषों को याद किया;कहा- आतंक के आगे भारत कभी नहीं झुकेगा

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर देश एक बार फिर भावुक हो उठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जान गंवाने वाले निर्दोषों को श्रद्धांजलि देते हुए आतंक के खिलाफ भारत के अडिग संकल्प को दोहराया, वहीं सेना ने भी कड़ा संदेश दिया। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावुक संदेश साझा करते हुए उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई थी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि इस भयावह हमले में जान गंवाने वाले लोगों को कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत किसी भी प्रकार के आतंकवाद के सामने झुकने वाला नहीं है। उन्होंने दोहराया कि आतंकियों की साजिशें कभी सफल नहीं होंगी और देश पूरी मजबूती से उनका सामना करेगा।राष्ट्रपति मुर्मु ने भी दी श्रद्धांजलि, आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प दोहराया पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इस जघन्य घटना में मासूम लोगों की हुई मौत आज भी देश की सामूहिक स्मृति में गहराई से दर्ज है। विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पवित्र संकल्प है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा का संदेश दिया। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पीएम ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना सिर्फ हमारा दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने कहा कि धरती के संरक्षण में ही मानवता का कल्याण निहित है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है। उन्होंने इस दौरान संस्कृत श्लोक के माध्यम से भी पृथ्वी के महत्व और प्रकृति संरक्षण की भारतीय परंपरा को रेखांकित किया।प्रधानमंत्री के संदेश को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। बीते वर्षों में केंद्र सरकार ने स्वच्छता, हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और वृक्षारोपण जैसे कई अभियानों को बढ़ावा दिया है। हमारे द्वारा उठाए गए कदम ही भविष्य की पृथ्वी को आकार देंगे- नड्डा वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी विश्व पृथ्वी दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमें याद दिलाता है कि आज हमारे द्वारा उठाए गए कदम ही भविष्य की पृथ्वी को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा को हमें अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहल लोगों को आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं। सभी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लें- योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेशवासियों को विश्व पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में धरती को मां का स्वरूप माना गया है, जो समस्त चराचर जगत का नि:स्वार्थ भाव से पोषण करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अवसर पर सभी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त और वृक्षों से युक्त बनाने का संकल्प लें। जल, जंगल और जमीन की रक्षा- धामी उधर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। धामी ने लोगों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं के संदेशों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष जोर देखने को मिला। यह दिन लोगों को पृथ्वी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और प्रकृति संरक्षण के लिए संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद जैसी कायराना हरकतें भारत की शांति और एकता के प्रति प्रतिबद्धता को कमजोर नहीं कर सकतीं। अपने संदेश में उन्होंने दोहराया कि देश आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को पूरी दृढ़ता से जारी रखेगा और हर रूप में इसका सामना करेगा। पहलगाम में बना श्रद्धांजलि स्मारक- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में श्रद्धांजलि स्थल स्थापित किया गया है, जो 22 अप्रैल 2025 को बैसरन में हुए दर्दनाक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों की याद को समर्पित है। यह स्मारक उन मासूम जिंदगियों की याद दिलाता है, जिन्हें इस भयावह घटना में खो दिया गया था।- स्थानीय प्रशासन और नागरिकों ने मिलकर इस स्थान को श्रद्धा और स्मृति का प्रतीक बनाया है, जहां लोग आकर शहीदों को नमन कर सकें और उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। भारत का जवाब अब और सख्त व निर्णायक- राजनाथ सिंह- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पहलगाम में हुए आतंकी हमले की बरसी पर जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को हुए इस कायरतापूर्ण हमले में जिन निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई, उन्हें देश कभी नहीं भूल सकता। राजनाथ सिंह ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दर्द को पूरा देश साझा करता है। उन्होंने कहा कि यह घाव भारत की स्मृतियों में हमेशा ताजा रहेगा। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में यह भी कहा कि भारत ने दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना किया है, लेकिन आज देश की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक मजबूत, स्पष्ट और निर्णायक है। उन्होंने दो टूक कहा कि भारत की एकता और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का जवाब पूरी शक्ति और दृढ़ता के साथ दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने जोर देते हुए कहा कि भारत अब हर चुनौती का जवाब मजबूती से दे रहा है। आतंकवाद या देश की एकता को चुनौती देने वाली किसी भी हरकत को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर अमित शाह की श्रद्धांजलि- पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले की बरसी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन मासूम लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने कहा कि यह घटना आज भी हर भारतीय के दिल में गहरे दुख और पीड़ा के रूप में मौजूद है। अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और इसके खिलाफ सभी को मिलकर एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद और उसे संरक्षण देने वालों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर पूरी मजबूती से कायम रहेगा। आतंक के खिलाफ भारत का संकल्प अटूट- मनोज सिन्हा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। अपने संदेश में कहा गया कि इस दर्दनाक हमले में मारे गए मासूम लोगों की यादें हमेशा दिलों में जीवित रहेंगी। उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा गया कि पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। अपने संदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा %हम न भूलेंगे, न माफ करेंगे, यह हमारा संकल्प है।% साथ ही यह भी दोहराया गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह एकजुट है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है। भारतीय सेना का सख्त संदेश- ऑपरेशन महादेव में 3 आतंकी ढेर भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संदेश लिखकर कहा कि भारत के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई का जवाब निश्चित और सख्त होगा। सेना ने कहा कि न्याय हमेशा मिलेगा और इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हासिल की है। इस अभियान को लेकर सेना ने संकेत दिया कि यह सिर्फ समय की बात थी। इस ऑपरेशन के दौरान लगभग 300 प्रतिशत अत्यंत दुर्गम और खतरनाक इलाकों की गहन तलाशी ली गई। लगातार 93 दिनों और रातों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली।इस कार्रवाई में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। इसके साथ ही सेना ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, और आतंकवाद के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी मजबूती के साथ चलता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

मेरे लिए पद से अधिक नैतिकता का महत्व, विवादों के बीच नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने दिया इस्तीफा

नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने वित्तीय विवादों के बाद नैतिकता का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि नैतिकता किसी भी पद से ज्यादा मायने रखती है। मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए पद छोड़ना जरूरी था।नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह फैसला नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए और अपने वित्तीय निवेशों (शेयरों) की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए किया है। फेसबुक पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए गुरुंग ने कहा कि वह सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और नैतिक मानकों को बनाए रखना चाहते हैं।नेपाली भाषा में किए गए फेसबुक पोस्ट में उन्होंने लिखा, मैं सुदान गुरुंग 2082 चैत्र 13 से गृहमंत्री की जिम्मेदारी पर ईमानदारी से काम कर रहा हूं। पिछले कुछ समय से उनके शेयरों और संपत्ति को लेकर जनता के बीच कई सवाल उठ रहे थे। गुरुंग ने कहा कि उन्होंने नागरिकों की चिंताओं और टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लिया है। उनके अनुसार, किसी भी पद की तुलना में नैतिकता का वजन ज्यादा होता है और जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने आज के जेन जेड (Gen) आंदोलन का भी जिक्र किया। गुरुंग ने कहा कि आज के युवा सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, नेतृत्व को हमेशा जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने उन 46 लोगों के बलिदान को याद किया जिनके संघर्ष से यह सरकार बनी है।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसीः राहुल बोले- दोषियों को माफ नहीं करेगा भारत, शहीदों के परिवार का दुख देश का दुख

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश इस कायराना हमले को न भूलेगा, न दोषियों को माफ करेगा। राहुल ने कहा कि शहीदों के परिवारों का दुख पूरे देश का दुख है और भारत आतंक के सामने कभी नहीं झुकेगा।कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अपने पोस्ट में राहुल ने कहा कि देश इस कायराना हमले को कभी नहीं भूलेगा और दोषियों को कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों के परिवारों का दुख पूरे देश का दुख है।राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पिछले साल पहलगाम में हुए हमले में जिन बहादुर लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी याद आज भी दिल को झकझोर देती है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की शहादत हमेशा देश की आत्मा में दर्ज रहेगी और भारत आतंक और नफरत फैलाने वाली ताकतों के सामने कभी नहीं झुकेगा।देश कभी नहीं भूलेगा- खरगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 2025 में हुए इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश हमेशा उनके साथ खड़ा है। भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की सराहना की- इस दौरान खरगे ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसमें आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े कई ठिकानों को नष्ट किया गया।

I-PAC छापेमारी विवादः सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला

सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री का जांच में दखल देना केंद्र बनाम राज्य का नहीं बल्कि कानून के उल्लंघन का मामला है। अदालत ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ राज्य की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सीसीटीवी साक्ष्य सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं।सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच जारी कानूनी जंग में बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय एजेंसी की जांच प्रक्रिया में प्रवेश करता है या उसमें बाधा डालता है, तो इसे केवल केंद्र बनाम राज्य का राजनीतिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय के अनुसार, यह सीधे तौर पर कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादा से जुड़ा विषय है। अदालत ने कहा कि ममता बनर्जी के इस आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला है। यह मामला जनवरी 2026 में कोयला घोटाले की जांच के दौरान आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप किया था। वहीं, एजेंसी ने ममता बनर्जी की ओर से की गई इस कार्रवाई को अपनी वैधानिक ड्यूटी में बड़ी बाधा माना है।न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रुख पर कड़े सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी सक्रिय तलाशी अभियान वाली जगह पर चला आता है, तो यह जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जस्टिस मिश्र ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिवक्ता से पूछा, %क्या ईडी के अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि जब मुख्यमंत्री खुद छापेमारी वाली जगह पर घुस आएं और कार्रवाई को बाधित करें, तो वे मूकदर्शक बनकर खड़े रहें?% सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह विवाद केवल केंद्र और राज्य के बीच का नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया कृत्य है जो मुख्यमंत्री जैसे उच्च संवैधानिक पद पर बैठकर पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। राज्य सरकार की ओर से तकनीकी आधार पर अनुच्छेद 32 की वैधता पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि केशवानंद भारती केस से लेकर सीरवाई जैसे महान संविधानविदों ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि भारत में एक दिन ऐसा भी आएगा जब कोई मौजूदा मुख्यमंत्री स्वयं किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में घुसकर उसकी वैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार हस्तक्षेप करेगा। अनुच्छेद 32 और मौलिक अधिकारों पर बहस- सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि ईडी एक सरकारी विभाग है, कोई व्यक्ति नहीं, इसलिए वह अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकता। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भी भारत के नागरिक हैं। यदि उन्हें डराया-धमकाया जाता है या उनकी ड्यूटी करने से रोका जाता है, तो उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। अदालत ने एक काल्पनिक स्थिति का उदाहरण भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के वकील से पूछा कि यदि केंद्र में उनकी सरकार होती और किसी अन्य राज्य का मुख्यमंत्री इसी तरह केंद्रीय एजेंसी की जांच में बाधा डालता, तो उनकी कानूनी प्रतिक्रिया क्या होती? क्या है पूरा मामला? प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि आठ जनवरी 2026 को छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची थीं। आरोप है कि वहां से जबरन महत्वपूर्ण फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहां तक कि एक अधिकारी का मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। एजेंसी ने इसे अधिकारियों का मनोबल गिराने वाली कार्रवाई बताया। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल सरकार का कहना है कि ईडी का इस्तेमाल चुनाव के समय तृणमूल कांग्रेस की रणनीतिक जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा है। राज्य पुलिस ने तर्क दिया कि उन्हें परिसर में हथियारबंद लोगों के घुसने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई

संपादकीय Editorial

Tunnels of Hope

The country has created many oceans of hope, and when their waves reach Himachal, the mountainous region is filled with pride, oozing with self-respect. The concept of the Bulk Drug Park is a story of similar significance, where site development and infrastructure will be constructed at a cost of Rs. 250 crore. Similarly, the construction of the four-lane highway has brought Bilaspur to the forefront of economic activity. Baghed, a small village, is now developing under the umbrella of tourism. Tomorrow, when routes like Mataur-Hamirpur, Pathankot-Mandi, Ranital-Una, or Jalandhar-Nadaun-Jalandhar-Dharamshala are completed within the four-lane highway, a new economic globe will emerge in the state. While the private sector is undoubtedly shifting its business as these routes expand, will the government also shift its development activities? If investment is made in tourism complexes, new investment centers, transport cities, satellite towns, and cultural and sports centers along the four-lane highway, the winds of development will create the foundation for economic prosperity. To achieve this, change will come if politics, instead of being biased, works holistically for the entire state. Otherwise, influential figures in power will spoil the very foundation of development. On Tuesday, the country ensured a 212-kilometer journey in two and a half hours with the Delhi-Dehradun Expressway. Tomorrow, one can reach Dharamshala from Chandigarh in three hours. If one reaches Kangra from Jalandhar in one and a half to two hours, the scope of development will expand. We dream of extended rail tracks for the Pathankot train, but fail to envision connecting all the temples via Amb-Andaura. If the first phase from Amb-Andaura to Chintpurni and then to Jwalaji is completed, the second phase could connect Kangra-Chamunda and Baijnath. Meanwhile, if the train reaching Bilaspur connects Hamirpur to Jwalaji, Himachal will be transformed. The expansion of the Kangra Airport will enable Himachal to leap into the next century. Meanwhile, given the way the Atal Tunnel has unlocked the state's tourism potential, numerous tunnel projects should be launched. The in-principle approval of the Jalori Tunnel's DPR suggests that milestones are drawing near. At the same time, dreams of the Holi-Utrala Tunnel are also beckoning to the dawn of this century. If this tunnel is pursued, a unique Himachal will be revealed. Through tunnels, tourism landscapes and tribal areas will be brought closer together. Assembly Speaker Kuldeep Pathania is also offering a tunnel of hope. According to him, work on the Chuwari-Chamba Tunnel is set to begin this year. If a tunnel is built from Chamba to Chuwari at a cost of approximately 2600 crore rupees, the district's economic activity will increase and the distance from Shimla to Chamba will be reduced by several hours. In addition to tunnels, elevated roads should be built along the lines of the Delhi-Dehradun Expressway. Bridges over large reservoirs will bring the world closer together. Now that Himachal Pradesh has direct four-lane access to Chandigarh, Ludhiana and Jalandhar, several tourism packages will be strengthened in the periphery of Jaipur-Udaipur, Nainital, Kurukshetra, Dehradun and Haridwar.

The book you hold wasn't written by AI: Even non-AI authors must now prove their work is human.

Writers who don't use AI are now under increasing pressure to prove their work is human. Last fall, Antonio Bricio, an engineering consultant living in Guadalajara, Mexico, completed a draft of his first novel. It was a science-fiction thriller that revealed a conspiracy. Bricio approached twenty literary agents to get his novel published, but was rejected each time. Despite this, he didn't give up and continued to improve his novel. He hoped that one day a publisher would accept his work. But now, his worries have increased. He fears that agents and publishers may be hesitant to trust new and unknown authors, suspecting that the author may have used artificial intelligence (AI) to write the book. His fears deepened last month when a major publisher canceled the US release of Mia Ballard's horror novel, "Shy Girl." An investigation indicated that parts of the novel were written with the help of AI. When Brisseau heard this news, he was deeply shaken. He stated that he doesn't use AI for writing. Nevertheless, a pressing question arose in his mind: what would the outcome be if an AI verification system checked his work? Driven by this concern, he subscribed to a website offering AI verification services and uploaded a chapter of the book. The results were shocking. The verification system completely disproved that AI had been used in his writing. Then, Brisseau searched for the sentences that were causing the problem. He removed some sentences and re-verified them. This time, the verification confirmed that the writing was human. This entire ordeal only increased Brisseau's anxiety. The verification report showed that adding or removing just a few sentences could drastically alter the results. As the publishing world grapples with the growing influence of AI in nearly every aspect of its work, it's unclear how authors should use this technology. Nor is it clear what steps publishers should take to control it. However, one thing many agree on is that the current situation is unsatisfactory. The controversy surrounding Shy Girl could mark a turning point for the book industry. After its cancellation, many readers and authors questioned how a major publishing company failed to recognize such warning signs. In fact, most major publishing houses have no clear rules regarding authors' use of AI. They rely on trust and the expectation that authors will maintain transparency. However, as AI makes its way into various stages of the writing process, it's becoming increasingly difficult to determine which uses are appropriate and which are off-limits. There's also growing concern that AI-generated content may escape editors' attention. The number of books published each year, including those with AI-generated content, is steadily increasing. In such a situation, it is becoming increasingly difficult for authors to reach their readers. Furthermore, authors who do not use AI are now under increasing pressure to prove that their works are truly human-created. They have no concrete way to prove this. However, some authors have begun adding "created by a human" markings to their books and websites, indicating that they wrote their works without any AI assistance. Authors who misuse this marking can face legal action. Laura Taylor Namey, a writer of fiction for young readers, said, "When a reader spends their money on a book, they want it to come from the author's mind and heart, not from a machine that has borrowed the author's ideas." As technology advances, the distinctive signs of authorship that help identify it may gradually disappear altogether. Amazon BioDiscovery is a highly specialized artificial intelligence (AI) platform launched by Amazon Web Services (AWS). Its primary goal is to speed up and simplify the drug discovery process. This platform provides scientists with access to over 40 unique AI biology models without complex coding. Researchers can digitally create and evaluate potential drug molecules. Shortlisted options can then be sent to the laboratory for testing.

Would political reservation for women outweigh economic protection?

The defeat of the Women's Reservation Bill in the Lok Sabha is being seen as a legislative defeat for the ruling party and an ideological victory for the opposition. The article highlights the deep conflict between political advantage, fears of delimitation, and ground realities. The manner in which the historic bill, which would grant 33% political reservation to women, half the country's population, was defeated in the Lok Sabha raises several questions. First, why did the government resort to such a drastic exercise when the bill was not going to pass based on the required numbers in Parliament? What was the emergency that forced this bill to be introduced in the Lok Sabha during the ongoing election process in five states? What was the Modi government's true intention behind linking this bill to delimitation? Why does the opposition feel more confident even after opposing this ambitious bill? The bigger question is: who will actually benefit politically from this turmoil, and to what extent? And what is the practical justification for this political gain? Would political parties benefit more from granting political reservations to over 130 million women voters in 12 states than from the economic protection (cash handouts) they currently receive, or is this merely a moral claim and a political blunder? The government's hope and the opposition's counterattack: Despite a hastily convened special session of the Lok Sabha and a lack of coordination with the opposition, the Modi government introduced this bill under the misconception that the opposition would not oppose it, given the broader interests of women voters, as women constitute half the country's total electorate, and that opposing it would mean angering women voters and losing the key to power. This is why Prime Minister Narendra Modi, in his plea to Parliament, even declared that the opposition may take credit for passing it, but let it get us through. However, the opposition turned the issue around and questioned the government's motives behind introducing this bill. Delimitation and the Fear of a North-South Divide - Rahul Gandhi, the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, stated that the real purpose of linking this bill to delimitation is to alter the country's electoral map, not to provide reservation for women. His accusation stems from the fear that the recent delimitation of assembly seats in Assam and Jammu and Kashmir by the central government has benefited or could benefit the BJP. The second issue was the division of the country into North and South based on Lok Sabha seats. It is alleged that after delimitation, the number of seats in North India (especially the Northwestern states) will increase significantly compared to the five states in South India, due to their rapid population growth. This will disrupt the regional balance of public representation in Parliament. Lack of majority in the House and the Bill's Defeat - Although Union Home Minister Amit Shah refuted these allegations, citing various technical difficulties and the government's clear intentions, his assertions failed to penetrate the wall of opposition unity. As a result, what was being called a landmark amendment bill in the history of independent India fell by a historic 54 votes, lacking a two-thirds majority. Even out of the 74 women MPs in the Lok Sabha, 38 opposition MPs voted against the bill. The bill's defeat will prevent women from receiving the 33% political reservation benefit in 2029. This was the first legislative defeat in the Modi government's 12-year tenure. This was the first legislative defeat in Parliament since the Panchayat Empowerment Amendment Bill was defeated in the Rajya Sabha in 1990. However, the Modi government could have introduced this crucial bill in its second term, when the NDA had 353 MPs and any amendment bill could have been passed easily. However, it chose not to do so. Surprisingly, after the bill's fall, the Modi government and the ruling NDA see it as a moral victory, while the opposition believes it has saved India by defeating it. During the 21-hour debate on the bill in Parliament, the most common accusation was that both support and opposition were rooted in the pursuit of political gain, whether in the upcoming Lok Sabha or state assembly elections. The BJP-led NDA has declared that it will take the issue to the streets and expose the opposition's views on women's empowerment. Meanwhile, the opposition is complacent, believing it has foiled the plot to alter the country's electoral map under the guise of women's reservation. Women's real need: power or security? The real question is: if this initiative to provide political reservation to women in the country's highest policy-making body were successful, would it truly mobilize the nearly 700 million women population? Are the grassroots aspirations of this half of the population solely based on a share in power, or do economic and social protection hold much greater practical significance for them than this reservation? The reason is clear. The bill, which the Modi government proposed to increase the number of seats in the Lok Sabha and Legislative Assemblies by one and a half times, would have benefited a total of 2,250 seats. This means that, based on the current 545 seats in the Lok Sabha, the number of seats reserved for women (based on 33% reservation) would have increased by 205, while the Legislative Assemblies of all 28 states and two Union Territories would have increased by 2,045. This means that out of 700 million women, only 2,250 women would have been elected to the legislatures. would have reached. This does not include seats in the Rajya Sabha and Legislative Councils, as their numbers will be decided later. It could be argued that this reservation should be viewed in terms of the noble intention of women's political and social empowerment, gender equality, and political morality, rather than simply the number of women. True. But even if the bill were passed and this reservation were implemented, how many women would actually benefit? How many women are there for whom political aspirations are paramount, and family and economic independence come second? The irony is that in the urban bodies and panchayats where 50% reservation for women representatives is in effect, extra-constitutional entities like mayor's husbands, councilor's husbands, and panch-sarpanch husbands have emerged and are operating without fear. This does not mean that women should not be given political reservation or that they should be deprived of their legitimate rights. But if we consider political benefits alone, even a small amount of cash is more important to them than the elected office for which all this political turmoil is raging. The magic of cash schemes and future politics—the role of these women beneficiaries in the game of power is far more significant, substantial, and decisive, as the assembly elections held over the past two years have proven. While this may be morally wrong, its practical utility and the power of the vote have been documented in electoral science textbooks. In such a situation, whether women claim to benefit from political reservation or use it to penetrate the maze of power, the likelihood of either gaining more or less political advantage is highly unlikely. However, the political aspirations of those who were looking for another angle to expand nepotism under the pretext of women's reservation, or for women for whom politics is a career, are unlikely to be significantly mobilized by this issue of political reservation.

लीवर और फेफड़े तक फटे, राजा के शरीर पर 40 वार, चाकू से गोद डाला शरीर;पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर कांपे

मुरादाबाद में हुए दंपती हत्याकांड में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। राजा और फराह के साथ हुई बर्बरता का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ है। राजा के हाथों पर सबसे ज्यादा घाव मिले हैं। लीवर और फेफड़े तक फट गए। फराह की गर्दन की नस कटी मिली। साथ ही सीने और हाथ पर भी निशान मिले हैं।मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक में राजा और उसकी पत्नी फराह की बड़ी बेरहमी से हत्या की गई। मंगलवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट बर्बरता बयां कर रही है। हमलावरों ने राजा पर चाकू से 40 वार किए थे जबकि चाकू के छह हमले में फराह की जान चली गई थी। सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक में रामगंगा किनारे स्थित एक कमरे के मकान में सोमवार की रात करीब आठ बजे राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या उनके बच्चों के सामने ही चाकू से गोदकर कर दी गई थी। इस हत्याकांड को चक्कर की मिलक में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर फहीम के बेटे फरजंद ने अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था।मंगलवार को पुलिस ने डॉक्टर के पैनल से दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान डिजिटल फोटो ग्राफी और वीडियो ग्राफी भी कराई गई। मंगलवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि राजा की गर्दन, पीठ, चेहरे, सीने, पेट और हाथों पर चाकू से 40 वार किए गए थे।राजा के हाथों पर सबसे ज्यादा 16 घाव मिले हैं। जिससे माना जा रहा है कि राजा ने खुद को बचाने के लिए चाकू को पकड़ने का प्रयास किया था लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। इसके अलावा उसकी गर्दन की नस भी कट गई थी जबकि फेफड़े और लीवर भी फट गया।इन हमलों से उसके शरीर का खून बह गया था। उसके शरीर के अंदर खून फैल गया था। जिससे उसकी की मौत हुई। राजा की पत्नी फराह के शरीर पर चाकू से छह वार किए गए थे। चार गर्दन पर और चेहरे के पास हैं जबकि एक सीने और एक हाथ पर है।हमले में गर्दन की नस भी कट गई थी। फराह की अधिक खून बह जाने के कारण मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट बता रही है कि हमलावर कितने गुस्से में थे और वह हत्या करने के इरादे से ही हमला कर रहे थे।दिल्ली की ओर भागे फरजंद और उसके साथी- हत्या करने के बाद हत्यारोपी फरजंद और उसके साथी दिल्ली की ओर भागे हैं। हत्यारोपियों के मोबाइल की लोकेशन गाजियाबाद में मिली है। पुलिस की एक टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। दिल्ली और गाजियाबाद में भी आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा पुलिस की दो टीमें नवाबपुरा, मुगलपुरा और शहर के जामा मस्जिद क्षेत्र में तलाश कर रही है।

घटनास्थल पर ही चाकू फेंक गए भाग गए थे हत्यारोपी

राजा के भाई शुएब ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात फहीम का बेटा फरजंद, अपने चचेरे भाई और साथी अनस को लेकर राजा के घर में घुसा था। आरोपियों ने राजा और उसकी पत्नी फराह की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी थी।बच्चों की चीख सुनकर वह मौके पर पहुंचा तो फरजंद, अनस और उसका चचेरा भाई मौके पर ही चाकू फेंक कर भाग गए थे। उसने उसने आरोपियों का पीछा भी किया लेकिन गली से होते हुए निकल गए थे।चक्कर की मिलक चौराहे को एक घंटा रखा जाम, होता रहा हंगामा

यूपी के मुरादाबाद में दंपती की हत्या के बाद से चक्कर की मिलक के लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। मंगलवार की शाम पांच बजे गुस्साई भीड़ ने जाम लगा दिया। पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की तो तीखी नोकझोंक भी हुईइस दौरान लोगों ने मांग रखी कि हत्यारोपियों का एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। एसपी सिटी ने मौके पर पहुंचकर लोगों को बताया कि एक आरोपी गिरफ्तार किया जा चुका है अन्य की तलाश की जा रही है। इसके बाद ही लोग शांत हुए। मंगलवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद पति पत्नी के शव घर ले जाए जा रहे थे। इससे पहले ही लोगों ने चक्कर की मिलक चौराहे पर जाम लगा दिया। वह शव रखकर जाम लगाने की तैयारी कर रहे थे। इसकी भनक लगते ही पुलिस अलर्ट हो गई। शाम करीब साढ़े पांच बजे चौराहे पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए।राजा के परिजन, रिश्तेदार और मोहल्ले के लोग आ गए थे। पुलिस कर्मियों ने उन्हें चौराहे से हटाने की कोशिश की तो वह भिड़ गए और पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी नारेबाजी करने लगे। सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना, इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिस कर्मी आ गए।पीएसी जवानों की टोली भी मौके पर बुला ली गई। लोगों ने पुलिस के सामने मांग रखी कि इस घटना में जितने भी लोग शामिल रहे हैं सभी का एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाए। चौराहे पर लगातार भीड़ बढ़ती जा रही थी।इसी दौरान पुलिस ने समझदारी दिखाते हुए पोस्टमार्टम से आ रही एंबुलेंस का रास्ता बदल दिया। एंबुलेंस पहले पीटीसी गेट के सामने से सपा कार्यालय होते हुए चक्कर की मिलक में राजा के घर पहुंचनी थी लेकिन चौराहे पर भीड़ होने की वजह से एंबुलेंस को डीआईजी कार्यालय के सामने से चक्कर की मिलक में होते हुए राजा के घर तक पहुंचा गया।चौराहे पर जाम लगा रहे लोगों को एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने समझाया कि एक आरोपी फहीम गिरफ्तार कर लिया है। बाकी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं। उन्होंने कहा कि 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।इसके बाद लोग यहां से शांत होकर राजा के घर पहुंच गए लेकिन यहां भी कई बार जाम लगाने की कोशिश की गई। एसपी सिटी कुमार रण विजयसिंह ने बताया कि लोगों को समझाकर शांत कर दिया गया था।घटनास्थल पर ही चाकू फेंक गए भाग गए थे हत्यारोपी

राजा के भाई शुएब ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात फहीम का बेटा फरजंद, अपने चचेरे भाई और साथी अनस को लेकर राजा के घर में घुसा था। आरोपियों ने राजा और उसकी पत्नी फराह की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी थी।बच्चों की चीख सुनकर वह मौके पर पहुंचा तो फरजंद, अनस और उसका चचेरा भाई मौके पर ही चाकू फेंक कर भाग गए थे। उसने उसने आरोपियों का पीछा भी किया लेकिन गली से होते हुए निकल गए थे।दिल्ली की ओर भागे फरजंद और उसके साथी- हत्या करने के बाद हत्यारोपी फरजंद और उसके साथी दिल्ली की ओर भागे हैं। हत्यारोपियों के मोबाइल की लोकेशन गाजियाबाद में मिली है। पुलिस की एक टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। दिल्ली और गाजियाबाद में भी आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा पुलिस की दो टीमें नवाबपुरा, मुगलपुरा और शहर के जामा मस्जिद क्षेत्र में तलाश कर रही है।घटनास्थल पर ही चाकू फेंक गए भाग गए थे हत्यारोपी- राजा के भाई शुएब ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात फहीम का बेटा फरजंद, अपने चचेरे भाई और साथी अनस को लेकर राजा के घर में घुसा था। आरोपियों ने राजा और उसकी पत्नी फराह की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी थी। बच्चों की चीख सुनकर वह मौके पर पहुंचा तो फरजंद, अनस और उसका चचेरा भाई मौके पर ही चाकू फेंक कर भाग गए थे। उसने उसने आरोपियों का पीछा भी किया लेकिन गली से होते हुए निकल गए थे।

मुरादाबाद में सिर्फ दो फीसदी मजदूरों को ही मिला 100 दिन काम, जिले में 113795 सक्रिय जॉब कार्डधारक

मुरादाबाद जिले में मनरेगा के तहत 113795 सक्रिय जॉब कार्डधारकों में से केवल 1559 मजदूरों को ही 100 दिन का रोजगार मिल पाया। 11570 मजदूर 81 से 99 दिन तक काम कर सके। कुंदरकी ब्लॉक में सबसे ज्यादा और छजलैट में सबसे कम मजदूरों को रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) सौ दिनों के रोजगार की काम मिल पाया। यह संख्या कुल 113795 सक्रिय जॉब 11570 मजदूरों के कार्य दिवस 81 से 99 दिनों के बीच लक्ष्य से अधिक कार्य दिए गए। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक है। कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र में सबसे अधिक 18393 और मुरादाबाद 2025-26 में जिले के गांवों में विकास के लिए विभिन्न कार्य चकरोड, तालाब की खोदाई, मिट्टी भराई, खड़ंजा आदि शामिल शामिल किया गया। जिले में 1559 जॉब कार्डधारक ऐसे रहे हैं कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र के रहे। जबकि छजलैट ब्लॉक में सबसे कार्डधारकों की संख्या की तुलना में सिर्फ दो फीसदी मजदूरों

पूरा रोजगार मिला।वैसे तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण गारंटी है। लेकिन जिले में 1559 मजदूरों को ही सौ दिन कार्डधारकों की तुलना में सिर्फ दो फीसदी है। जबकि रहाहालांकि विभाग का दावा है कि सृजित मानव दिवस के जिले में एक्टिव जॉब कार्डधारकों की संख्या करीब 113795 ब्लॉक में सबसे कम 5992 जॉब कार्डधारक हैंवित्तीय वर्ष चिह्नित किए गए। इसमें नाली निर्माण, सड़क निर्माण, रहे। इन कार्यों में मजदूरी के लिए मनरेगा मजदूरों को जिन्हें सौ दिन रोजगार मिला। इसमें सर्वाधिक 431 मजदूर कम 32 मजदूरों को सौ दिन कार्य मिला। कुल जॉब को ही सौ दिन कार्य करने का मौका मिला है। वहीं जिले में 11570 जॉब कार्डधारक ऐसे पाए गए जिनके कार्य दिवसों की संख्या 81 से 99 दिन रहे। जिले में सृजित मानव दिवस का लक्ष्य 3135907 था। इससे अधिक 3158358 मानव दिवस सृजित किए गए। 1559 मजदूरों के कार्य दिवस सौ दिन रहे। 81 से 99 कार्य दिवस वाले मजदूरों की संख्या 11570 रही। - आरपी भगत, डीसी मनरेगा किस ब्लॉक में कितने सक्रिय जॉब कार्डधारक ब्लॉक कार्डधारक सौ दिन काम- भगतपुर टांडा 16878 426 बिलारी 13090 269 छजलैट 10995 32 डिलारी 14672 123 कुंदरकी 18393 431 मुरादाबाद 5992 74 मूंढापांडे 16148 114 ठाकुरद्वारा 17627 90

जज के पिता की हत्या के मुख्य आरोपी और बेटों की संपत्ति कुर्क, दोनों के कश्मीर में छिपे होने का शक

जज के पिता असद हत्याकांड के मुख्य आरोपी और उसके बेटों की संपत्ति कुर्क कर ली गई है। नागफनी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की है। दोनों आरोपियों के जम्मू कश्मीर में छिपे होने का शक है।नागफनी थाना क्षेत्र में जज के पिता मो. असद की मंगलवार को पुलिस ने कुर्की की। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।सिविल लाइंस थाना क्षेत्र उनकी बेटी असमा सुल्ताना और उनके पति जज हैं। दोनों बुलंदशहर हुसैन उर्फ डेनियल के साथ स्कूटी से लाल मस्जिद में नमाज की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मजाहिर उर्फ उसके दो बेटे सैफुल जफर व हुसैन, दामाद मो. फैजान, साथी मामले में फैजान, आलमगीर समेत तीन आरोपी जेल भेजे जा

हत्या करने वाले मुख्य आरोपी जफर और उसके बेटों की संपत्ति की मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में यह कार्रवाई की। जफर और उसके दो बेटों पर के जिगर कॉलोनी निवासी मो. असद अलवीना बेकर्स के संचालक थे। में तैनात हैं। 27 फरवरी की शाम मो. असद अपने साले छोटे मजाहिर पढ़ने जा रहे थे।नागफनी क्षेत्र में बंगला गांव चौराहे के पास मो. असद डेनियल ने अपने बड़े भाई नागफनी के डहेरिया निवासी जफर हुसैन, आलमगीर और अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।इस चुके हैं। जफर और उसके बेटों के खिलाफ 50-50 हजार का इनाम घोषित कर दिया था। पांच अप्रैल को इंस्पेक्टर नागफनी राकेश कुमार सिंह की ओर से मुख्य आरोपी जफर हुसैन, उसके बेटे सैफुल जफर और हुसैन के खिलाफ कोर्ट आदेशों की अवहेलना में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।सीजेएम कोर्ट ने 19 मार्च 2026 तीनों के खिलाफ वारंट जारी कर एक माह में कोर्ट में हाजिर होने के आदेश दिए थे बावजूद इसके आरोपी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। पुलिस ने मुनादी कराने के बाद आरोपी के घर नोटिस भी चस्पा किया गया था। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मंगलवार को जफर उसकी संपत्ति कुर्क की गई है। मकान का सभी सामान थाने में रखवा दिया गया है। मकान पर सील लगा दी गई है।पिता-पुत्रों के जम्मू कश्मीर में छिपे होने का शक- मुरादाबाद। हिस्ट्रीशीटर जफर की पत्नी का मायका जम्मू कश्मीर में है। घटना से पहले ही जफर ने अपनी पत्नी व परिवार के लोगों को जम्मू कश्मीर भेज दिया था। मो. जफर ने अपने बहनोई मो. असद की हत्या करने के बाद शहर से भाग गया था। शक है कि पिता पुत्र जम्मू कश्मीर में छिपे है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा विधायक राजबाला के पति ने मजदूरों और ठेकेदार को पीटा,मजदूरी भी नहीं दी, पुलिस ने दर्ज किया केस

भाजपा विधायक राजबाला के पति दिलीप सिंह लोधी पर ठेकेदार और मजदूरों से मारपीट करने का आरोप लगा है। इसके साथ ही एक लाख हड़पने की गई है। आदेश पर लाइंस मुकदमा

मजदूरी के रुपये बात कही कोर्ट के सिविल थाने में दर्ज किया गया है। मिलक-शाहबाद सीट से भाजपा विधायक राजबाला के पति दिलीप सिंह लोधी पर मजदूरों-ठेकेदार से मारपीट और एक लाख रुपये मजदूरी न देने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।राजस्थान के भरतपुर जिले के थाना बयाना क्षेत्र के गांव नगला होता निवासी ठेकेदार रविंद्र सिंह ने अधिवक्ता के माध्यम से एससी-एसटी कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर विधायक पति दिलीप सिंह लोधी पर आरोप लगाए। रविंद्र के मुताबिक वह ग्रेनाइट पत्थर लगाने का काम करता है और मजदूरों के साथ मुरादाबाद में एक कोठी पर काम कर रहा था।इसी दौरान परिचितों के माध्यम से उसकी बातचीत दिलीप सिंह लोधी से हुई। आरोप है कि लोधी ने अजीतपुर बरेली-बाईपास स्थित अपने होटल पर ग्रेनाइट लगाने का काम 35 रुपये प्रति स्क्वायर फीट के हिसाब से तय किया। साथ ही 15 मजदूरों के साथ काम कराने और साप्ताहिक मजदूरी व अन्य खर्च देने पर सहमति बनी। रविंद्र के अनुसार वह मजदूरों के साथ होटल पर पहुंचा और काम शुरू कर दिया। एक सप्ताह बाद जब उसने भुगतान मांगा तो केवल दो हजार रुपये दिए गए। बाकी रकम मांगने पर टालमटोल की गई। आरोप है कि अगले दिन पैसे मांगने पर लोधी ने राशन देने की बात कही, लेकिन नगद भुगतान से इंकार कर दिया। ठेकेदार का कहना है कि नौ दिन का काम होने पर करीब एक लाख रुपये बनते थे। भुगतान की मांग करने पर विधायक पति भड़क गए और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि उसकी बोलेरो गाड़ी, बर्तन और सिलिंडर भी कब्जे में ले लिए गए और धमकी देकर सभी मजदूरों को वहां से भगा दिया गया। पीड़ित का कहना है कि पुलिस में शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने कोर्ट की शरण ली। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी ओमकार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर दिलीप सिंह लोधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली नेशनल हाईवे पर रईसजादों ने चलती कार की छत पर किया जानलेवा स्टंट

मुरादाबाद-दिल्ली नेशनल हाईवे पर खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ युवक नेशनल हाईवे पर चलती कार की छत पर बैठकर जानलेवा स्टंट करते दिख रहे हैं। इससे

पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठ रहा है। हालांकि अमृत विचार किसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि मामला मझोला थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस के पास से गुजरने वाले नेशनल हाईवे का है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि यूपी 25 नंबर की तेज रफ्तार कार की छत पर दो युवक बैठकर खुलेआम खतरनाक स्टंट कर रहे हैं। इसमें वह न सिर्फ अपनी जान खतरे में डाल रहे बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों को भी बड़े जोखिम में डाल रहे हैं।इस खतरनाक स्टंट का वीडियो पीछे चल रही एक अन्य गाड़ी में सवार युवकों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पुलिस के यातायात नियमों पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। लेकिन ऐसे स्टंटबाजों के हौसले नहीं हो रहे हैं। एसपी ट्रैफिक सुभाष चन्द्र गंगवार ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मातृ मृत्यु दर, जननी सुरक्षा योजना में डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा भुगतान, एसएनसीयू/एनवीएसयू प्रोग्रेस रिर्पोट, एनआरसी पर एसएएम बच्चों की भर्ती, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन्मजात दोष से ग्रसित बच्चों की सर्जरी, ई कवच आभा आईडी रिपोर्ट, परिवार नियोजन, प्रति सप्ताह दी जाने वाली आयरन, फोलिक एसिड सप्लिमेंट, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता, मजीलस रूबेला, ई-संजीवनी ओपीडी, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में ब्लॉकवार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे गोल्डन कार्डों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विशेष अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आयुष्मान भारत योजना की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। वृद्ध वंदना योजना एवं एनक्यूएएस के तहत स्वास्थ्य संस्थानों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मातृ स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ प्रदान करने एवं मातृ मृत्यु की प्रत्येक घटना की गंभीरता से समीक्षा करने को कहा गया। एफआरयू की कार्यप्रणाली एवं सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया गया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब-सेंटर स्तर पर कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं के लंबित भुगतान को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मंत्र ऐप की प्रगति की समीक्षा की गई तथा डेटा अपलोडिंग एवं उपयोग में सुधार लाने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों की भर्ती बढ़ाने तथा उनके समुचित उपचार पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के अंत में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की समीक्षा करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह श्रीवास, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आलोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बरेली कलेक्ट्रेट गेट पर फिल्मी ड्रामा

20 लाख रुपये और 600 गज जमीन का विवाद , प्रेम प्रसंग में उलझा मामला

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली । सोमवार दोपहर कचहरी परिसर उस वक्त अखाड़ा बन गया जब एक युवती को लेकर जा रहे वकील को परिजनों ने बीच रास्ते घेर लिया। कलेक्ट्रेट गेट पर चीख-पुकार और हाथापाई से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते मामला पारिवारिक कलह से निकलकर 20 लाख रुपये, 600 गज जमीन और प्रेम प्रसंग तक जा पहुंचा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर कोतवाली भेज दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक वकील युवती को लेकर अपने चेंबर की तरफ जा रहा था। तभी पीछे से कई महिलाएं और पुरुष दौड़ते हुए आए और युवती को जबरदस्ती पकड़कर अपने साथ ले जाने लगे। युवती के चिल्लाने पर भीड़ जुट गई। पहले लोगों को लगा अपहरण हो रहा है, लेकिन कुछ ही मिनट में साफ हो गया कि युवती को खींचने वाले कोई और नहीं, उसकी मां, बहन और घर के दूसरे सदस्य थे।

विथरी चैनपुर के चंद बिचपुरी निवासी राहुल ने बताया कि उसकी बहन मोहिनी कुछ समय पहले घर से करीब 20 लाख रुपये लेकर चली गई थी। इसके बाद पिता छत्रपाल का निधन हो गया और करीब 600 गज जमीन मोहिनी के नाम हो गई। परिजनों का आरोप है कि अब मोहिनी वह जमीन बाहरी लोगों के नाम कराना चाहती है। परिवार को शक है कि वह किसी बाहरी व्यक्ति के प्रभाव में है। इसी वजह से कचहरी में देखते ही उसे रोकने की कोशिश की गई, जो हंगामे में बदल गई।

कलेक्ट्रेट गेट पर हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया। युवती मोहिनी को सुरक्षित कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस सभी पक्षों से पूछताछ कर रही है। जमीन, रुपये और प्रेम प्रसंग के एंगल से जांच की जा रही है।

परिवार का अंदरूनी विवाद जब कचहरी गेट पर खुलेआम सड़क पर आया तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। 20 लाख कैश और 600 गज जमीन के इस झगड़े में अब पुलिस की जांच के बाद ही साफ होगा कि सच्चाई क्या है। फिलहाल यह घटना देर तक वकीलों और वादकारियों के बीच चर्चा का विषय बनी रही।

बिथरी चैनपुर पुलिस ने अवैध असलाह के साथ हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बिथरी चैनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध असलाह और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। थाना प्रभारी के अनुसार, देर रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने पदारथपुर से परसौना जाने वाले माइनर मार्ग पर फातिमा लियोन स्कूल के मोड़ के पास घेराबंदी की। इसी दौरान अभियुक्त रेहान उर्फ मुन्ना पुत्र अंसार कुरैशी, निवासी ग्राम पदारथपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने इस संबंध में थाना बिथरी चैनपुर में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित गौकशी के कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपनी सुरक्षा के लिए अवैध तमंचा रखा हुआ था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष राजेश बाबू मिश्रा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबल मोहम्मद फहीम, हेड कांस्टेबल इस्लाक अहमद, कांस्टेबल अंकित कुमार और कांस्टेबल सचिन कुमार की अहम भूमिका रही।

जिलाधिकारी ने गांधी स्टेडियम में निर्माणाधीन हॉकी के एस्टोटर्फ खेल मैदान का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने मंगलवार को गांधी स्टेडियम में निर्माणाधीन हॉकी के एस्टोटर्फ खेल मैदान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अन्य खेल अवस्थापना सुविधाओं को भी देखा। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश चैधरी, कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियंता उमेश दुबे, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अनिल महेंद्रु, सुमित पटेल, दीपक सरकार, जगदीश सक्सेना मौजूद रहे। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने निरीक्षण के दौरान स्टेडियम में कौन-कौन सी खेल सुविधाएं दी जा रही है इसकी जानकारी जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह से ली। जिलाधिकारी ने गांधी स्टेडियम में पुराना एथलेटिक्स ट्रैक को उत्तर दक्षिण दिशा में बनाए जाने के निर्देश दिए गए। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया बीच में फुटबॉल का मैदान बनाया जाएगा और उसी के निकट क्रिकेट खेल के लिए क्रिकेट मैदान तैयार किया जाएगा। खेल मैदान के चारों ओर वाकिंग ट्रेक बनाया जाएगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में सभी स्थापना सुविधाएं तैयार कर ली जाएगी, जिससे खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा और जिले के खिलाड़ी खेलों में अपना प्रदर्शन बेहतर कर सकेंगे। पैदल टहलने वालों को भी दिक्कत नहीं होगी खिलाड़ी भी खेल मैदान में खेल सकेंगे।

वित्त अधिनियम 2025 से सेवानिवृत्त कर्मचारी भड़के

पेंशन वृद्धि भत्तों में कटौती को बताया सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना – निरुपमा शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सरकार द्वारा वित्त अधिनियम 2025 के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ता वृद्धि एवं संभावित 8वें वेतन आयोग के लाभों से वंचित किए जाने के फैसले के विरोध में पेंशनभोगियों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। जीजीआईसी पेंशनर्स एसोसिएशन की महासचिव एवं एनिमल एक्टिविस्ट, पूर्व प्रधानाचार्य निरुपमा शर्मा ने इस निर्णय को न्यायसंगत न बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला वर्ष 1982 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय की भावना के विपरीत है, जिसमें सभी पेंशनभोगियों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने की बात कही गई थी, चाहे उनका सेवानिवृत्ति काल कोई भी रहा हो। निरुपमा शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय में स्पष्ट उल्लेख है कि पेंशनभोगियों को उनके अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में दिया जाना चाहिए। इसके बावजूद आज भी हजारों मामलों में विसंगतियां बनी हुई हैं और पेंशन, एरियर व वेतन वृद्धि से जुड़े अनेक प्रकरण सरकारी दफ्तरों में लंबित पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नौकरशाही की उदासीनता के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। जिन कर्मचारियों ने पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपना जीवन सेवा में समर्पित किया, आज उन्हीं के साथ अन्याय किया जा रहा है, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा कि वित्त अधिनियम 2025 के प्रावधान पेंशनभोगियों के हितों पर सीधा प्रहार हैं और यह निर्णय दमनकारी व अन्यायपूर्ण है। विधायिका बनाम कार्यपालिका पर सवाल निरुपमा शर्मा ने सवाल उठाया कि जब सांसदों और विधायकों के वेतन व पेंशन में लगातार वृद्धि की जा रही है, तो कार्यपालिका के पेंशनभोगियों के साथ कटौती क्यों की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार का भेदभाव किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि वित्त अधिनियम 2025 में आवश्यक संशोधन कर पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

बरेली सपा में बड़ा फेरबदल! , शुभलेश यादव को जिलाध्यक्ष की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी ने जिले में बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए शुभलेश यादव को नया जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया है। यह फैसला पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति के बाद लिया गया, जिस पर प्रदेश अध्यक्ष ने आधिकारिक मुहर लगाते हुए मनोनयन पत्र जारी किया। पत्र में स्पष्ट रूप से शुभलेश यादव को बरेली जिलाध्यक्ष घोषित करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से उन्हें पूरा सहयोग देने की अपील की गई है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने एक बार फिर शुभलेश यादव पर भरोसा जताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। वे पहले भी संगठन में कई अहम पदों पर रह चुके हैं और जमीनी स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। आने वाले पंचायत और निकाय चुनावों को देखते हुए यह नियुक्ति बेहद अहम मानी जा रही है। मनोनयन के बाद समर्थकों में जबरदस्त खुशी का माहौल है। जल्द ही नई जिला कार्यकारिणी के गठन की भी उम्मीद जताई जा रही है। अखिलेश यादव की हरी झंडी के साथ शुभलेश यादव की ताजपोशी ने बरेली सपा में नई ऊर्जा भर दी हैज् अब देखना होगा कि यह बदलाव चुनावी मैदान में कितना असर दिखाता है।

अर्थ डे पर बच्चों को पृथ्वी के महत्व, पर्यावरण संरक्षण के बारे में किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। प्राथमिक विद्यालय लखौरा क्यारा में पृथ्वी दिवस के अवसर पर ए क प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापिका नीता जोशी के नेतृत्व में बच्चों को पृथ्वी के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और हमारे कर्तव्यों के बारे में सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया गया। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए और यह बताया कि वे किस प्रकार अपनी धरती को सुरक्षित और स्वच्छ बना सकते हैं। नन्हे-मुन्ने बच्चों की सोच और जागरूकता ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने सेव अर्थ विषय पर सुंदर और रचनात्मक चित्र बनाकर अपनी कल्पनाशक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रिश्वतखोर अफसर पर एंटी करप्शन का शिकंजा : नौ हजार रुपए लेते ही दबोचा गया अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के बीच एक और बड़ा खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए नवीन मंडी तिलहर में तैनात क्षेत्रीय विपणन अधिकारी मनेंद्र नाथ पटेल को 9 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता सौरभ सिंह से गेहूं खरीद के एवज में प्रति क्विंटल 100 रुपये की अवैध वसूली की जा रही थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की, जिसके बाद जाल बिछाया गया।

बुधवार को दोपहर करीब 12 बजकर 58 मिनट पर जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम ली, पहले से तैयार टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सान्याल ने किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ थाना कटरा, शाहजहांपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मैक्स हॉस्पिटल वैशाली ने नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट की समर्पित OPD सेवाएं की शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली ने बरेली के देव प्राइमस हॉस्पिटल में अपनी विशेष नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट OPD सेवाओं की शुरुआत की। इस OPD सेवा का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के नेफ्रोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. अभिनव कट्याल की उपस्थिति में किया गया। डॉ. अभिनव कट्याल हर महीने के तीसरे मंगलवार को दोपहर 12ः00 बजे से 2ः00 बजे तक देव प्राइमस हॉस्पिटल, बरेली में उपलब्ध रहेंगे, जहां वे प्राथमिक जांच और फॉलो-अप कंसल्टेशन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के नेफ्रोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. अभिनव कट्याल ने कहा किडनी फेलियर और क्रॉनिक किडनी डिजीज (ष्टञ्जष्ठ) के मामलों में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण समय पर सही निदान न होना और जागरूकता की कमी है। कई गंभीर मामलों में किडनी ट्रांसप्लांट ही अंतिम समाधान बन जाता है, इसलिए मरीजों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे उपलब्ध एडवांस्ड ट्रीटमेंट विकल्पों के बारे में जागरूक रहें। इस नई OPD सेवा के माध्यम से हमारा उद्देश्य बरेली के लोगों के करीब विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना है, ताकि उन्हें समय पर उपचार और नियमित फॉलो-अप मिल सके। डॉ. अभिनव ने आगे कहा हमारा लक्ष्य स्पेशलाइज्ड किडनी केयर तक आसान और तेज पहुंच सुनिश्चित करना है। हम शुरुआती स्तर पर बीमारी की पहचान, पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट प्लान और लंबी अवधि के मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देंगे, जिससे किडनी से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल सकें। किडनी फेलियर के बढ़ते मामलों को देखते हुए मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली की यह पहल बरेली और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे उन्हें अब अपने शहर में ही उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच मिल सकेगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

किसानो की परेशानी को लेकर कांग्रेस ने किया सद्बुद्धि यज्ञ

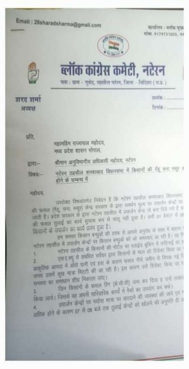

क्यूँ न लिखूँ सच/ योगेंद्र रघुवंशी / मध्य प्रदेश विदिशा जिला के कांग्रेस जन आज नटेरन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा बीजेपी की सांसद लता वानखेड़े कृषि मंत्री शिवराज सिंह मुख्यमंत्री मोहन यादव विधायक सूर्य प्रकाश मीणा के वेनल लगाकर बस स्टैंड माता मंदिर के सामने हवन कुंड बनाकर आहुतियां दी मुख्यमंत्री कृषि मंत्री और संसद विधायक और मुख्यमंत्री को माताजी सद्बुद्धि दें ताकि किसानों का अनाज सोसाइटियों तोला जा सके सिलाइट बुक हो नहीं रही जिन लोगों ने बैंक भर दी है

उनको पैसा नहीं मिल रहा चना मसूर गेहूं की तोल हो नहीं रही शादी का मौसम चल रहा है कैसे किसान अपनी बेटी बेटों की शादी करें कम दाम में मंडी में फसल बेचने को किसान मजबूर है जो बीजेपी के लिए वोट मांगते हैं स्थानीय नेता वह भी मोन है किसानो की आखिर बीजेपी के नेता आवाज नहीं उठा रहे इनको भगवान सद्बुद्धि दे हवन करने के बाद सभी कांग्रेस के लोग किसानों के साथ मिलकर तहसील पहुंचकर किसानो की समस्याओं का एक ज्ञापन तहसीलदार आनंद जैन को दिया । कांग्रेस के लोग नारे लगा रहे थे मुख्यमंत्री सांसद विधायक कृषि मंत्री विधायक को सद्बुद्धि दो सद्बुद्धि दो किसानों के साथ अन्याय नहीं सहेंगे यह सरकार निकम्मी है होश में आओ होश में आओ , इस कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष शरद शर्मा, रमेश तिवारी, पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदरसिंह यादव बृजेंद्र सिंह ,रामसेवक रघुवंशी, रघुवीर दीक्षित ,वीर सिंह काका, देवेंद्र शर्मा, बृजेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह सचिन, बाबूलाल ,सुरजीत सिंह ,भारत सिंह रघुवंशी, नीलेश, महेश दुबे ,मनीष तिवारी, दीपक, छतरसिह, जुगल यादव, रमेश विशकृमा, रवि रघुवशी ,धर्मेंद्र आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लटेरी में रास्ते का विवाद बना बवाल: वन विभाग और जनपद के कर्मचारियों पर एस सी/एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज, वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ लटेरी। एक मामूली सा दिखने वाला रास्ते का विवाद अब बड़ा कानूनी और सामाजिक मुद्दा बन गया है। लटेरी दक्षिण रेंज के डिप्टी रेंजर जितेंद्र शर्मा, उत्तर रेंज में पदस्थ नाकेदार कुलदीप श्री वास्तव और जनपद पंचायत लटेरी में पदस्थ बीसी प्रमोद शर्मा और चार के खिलाफ लटेरी थाने में गाली गलौच एवं एससी/एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब दूसरी तरफ से अनिल पंथी और ऋषभ पंथी पर भी प्रमोद शर्मा के आवेदन पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। यानी यह विवाद अब दोनों पक्षों के बीच सीधा टकराव बन चुका है। बताया जा रहा है कि यह पूरा विवाद कॉलोनी में रास्ते को लेकर हुआ, जो धीरे-धीरे कहासुनी से बढ़कर गाली गलौच तक जा पहुंचा। हालात इतने बिगड़ गए कि मामला सीधे थाने तक पहुंच गया और दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि प्रमोद शर्मा अपने फरसा लेकर पीड़ित पक्ष को मारने के लिए दौड़ते हुए दिखाई दे रहे है, लोगों द्वारा अगर बीच बचाव न किया जाता तो अप्रिय घटना घटित हो सकती थी । यह घटनाक्रम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है और आम जनता के बीच सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही जब कानून को हाथ में लेंगे, तो व्यवस्था पर भरोसा कैसे कायम रहेगा? अब सबसे बड़ा सवाल यही है- क्या वन विभाग और जनपद पंचायत अपने कर्मचारियों पर दर्ज इस गंभीर एफआईआर के बाद कोई सख्त कार्रवाई करेंगे, या फिर मामला सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह जाएगा? लटेरी की जनता की निगाहें अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। क्योंकि यह सिर्फ एक रास्ते का विवाद नहीं, बल्कि सिस्टम की साख और जिम्मेदारी की परीक्षा बन चुका है। इनका कहना है इन लोगों ने कॉलोनी में कई जगहों पर अवैध कब्जा कर रखा है हमारे प्लॉट पर भी अपना जबरन कब्जा करना चाहते है। हम अपना प्लॉट नापने गए थे हमारे पास किसी तरह के हथियार नहीं थे और न ही हमारा लड़ने का उद्देश्य था, इन लोगों ने हमारे ऊपर झूठी एफ आई आर कराई है है, तथा जिस लालाराम अहिरवार का नाम रिपोर्ट में लिखाया गया है, वह मौके पर मौजूद ही नहीं था, इन लोगों ने अपने पद का गलत उपयोग करते हुए रेंज में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर का नाम लिखवाया गया है।

रेलमंत्री बोले- दस वर्षों में ट्रेन हादसों में आई 90% कमी, अब सिंगल डिजिट का लक्ष्य

नई दिल्ली में आयोजित ट्रैक मेंटेनर्स कॉन्फ्रेंस में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत तक कमी आई है। सरकार अब सुरक्षा को और मजबूत करते हुए आधुनिक तकनीक, ड्रोन और नए सिस्टम के जरिए रेलवे को वैश्विक स्तर तक ले जाने की योजना पर काम कर रही है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने %ऑल इंडिया ट्रैक मेंटेनर्स कॉन्फ्रेंस% में भारतीय रेलवे के भविष्य को लेकर कई बड़ी बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों में रेल हादसों में करीब 90 फीसदी की कमी आई है। रेल मंत्री ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया, लेकिन साथ ही कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना है। अब सरकार का लक्ष्य रेल हादसों की संख्या को घटाकर इकाई (सिंगल डिजिट) में लाना है। उन्होंने कहा सरकार का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेलवे के सुरक्षा स्तर को विकसित देशों के बराबर पहुंचाना है।कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए रेल मंत्री ने पटरियों के आधुनिकीकरण को भी जरूरी बताया। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दस वर्षों में लगभग 36,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। पटरियों की बेहतर देखरेख के लिए अभी रेलवे के पास करीब 1,800 ट्रैक मशीनें हैं। सरकार इन मशीनों की संख्या बढ़ाकर 3,000 करना चाहती है। जब मशीनों की संख्या 3,000 के करीब पहुंच जाएगी, तो पटरियों की जांच और मरम्मत से जुड़ी पुरानी समस्याएं काफी हद तक खत्म हो जाएंगी।रेलवे अब पटरियों की देखरेख के लिए %रेल-कम-रोड व्हीकल% नाम का नया मॉडल ला रहा है। इस सिस्टम में कर्मचारी अपने सभी औजार और सामान सीधे गाड़ी में लोड कर सकेंगे। सीधे ट्रैक पर जा सकेंगे और आराम से बैठकर पटरियों की जांच कर सकेंगे। इसका पायलट प्रोजेक्ट भावनगर डिवीजन में शुरू किया जा रहा है। वहां कड़ी टेस्टिंग के बाद दो %रेल-कम-रोड व्हीकल% तैनात किए गए हैं। यह नया तरीका पुराने और कठिन काम करने के ढंग को पूरी तरह बदल देगा। इससे काम करना ज्यादा सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक होगा। इसके अलावा, पटरियों की जांच में ड्रोन तकनीक और नए तरह के गेज की मदद ली जा रही है। इन नए गेज से पटरियों के मोड़ और क्रॉसिंग की सटीक माप ली जा सकेगी। पहले जो काम अंदाजे से होते थे, अब वे पूरी सटीकता से होंगे। देश भर में अब आधुनिक ट्रैक सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इनमें 60 किलो वाली रेल, 90 यूटीएस मजबूती वाली रेल और 207 मीटर लंबे रेल पैनल शामिल हैं। पटरियों के मोड़ पर घर्षण मुक्त स्विच लगाए जा रहे हैं और %वेल्डेबल सीएमएस% (WCMS) का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इन सभी आधुनिक तकनीकों को पूरे देश में लागू करना है। रेल मंत्री ने जोर दिया कि रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए %रक्षक% नाम का एक सिस्टम लागू किया गया था, जो वीएचएफ (ङ्क॥स्न) तकनीक पर आधारित था। हालांकि, इस सिस्टम में कुछ चुनौतियां सामने आईं। कई जगहों पर, जैसे कि घुमावदार पटरियों, पहाड़ी इलाकों या लंबी दूरी पर सिग्नल ठीक से नहीं पहुंच पाते थे। इससे जानकारी मिलने में देरी होती थी और हादसों का खतरा बढ़ जाता था। इसके समाधान के रूप में अब एक नया मोबाइल फोन आधारित सिस्टम तैयार किया गया है, जो अधिक भरोसेमंद है। फिलहाल इसका टेस्ट चल रहा है।

बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस, चुनावी रैली में राहुल पर जमकर बरसे अमित शाह

पश्चिम बंगाल के दमदम में चुनावी रैली में अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल में कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं बचा और वह खाता भी नहीं खोल पाएगी। उन्होंने ममता सरकार पर कानून-व्यवस्था बिगड़ने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य गुंडों के हवाले है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता अब कांग्रेस को पूरी तरह नकार चुकी है और राज्य में उसका कोई जनाधार नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा तेजी से मजबूत हो रही है और आने वाले चुनावों में बड़ा प्रदर्शन करेगी।रैली के दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे केवल सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा विकास और लोगों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता भाजपा के साथ खड़ी है। शाह के इस बयान से राज्य की राजनीति में बयानबाजी और तेज हो गई है।पश्चिम बंगाल सरकार पर साधा निशाना रैली में अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और राज्य को गुंडों के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या राज्य में चार शादियों की छूट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, जिससे तीन तलाक और बहु-विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि इसका समाधान कमल को वोट देने से मिलेगा।जनता को गुमराह कर रहीं ममता- शाह- इसके साथ ही शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जनता को गुमराह कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में बंगाल का मुख्यमंत्री कोई स्थानीय, बंगाली भाषा बोलने वाला व्यक्ति होगा और भाजपा कार्यकर्ता ही राज्य की बागडोर संभालेगा। रैली में उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं के खातों में हर महीने 3000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों के लिए 7वें वेतन आयोग के अनुसार डीए लागू किया जाएगा और बेरोजगार युवाओं को भी 3000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। अमित शाह ने यह भी वादा किया कि कोलकाता मेट्रो का तीन गुना विस्तार किया जाएगा और शहर के विकास के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल के विकास और बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

ठाकुरद्वारा हाईवे पर डंपर ने विक्रम को मारी टक्कर, 150 मीटर तक घसीटते ले गया; दो लोगों की मौत

ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर तेज रफ्तार डंपर ने विक्रम को टक्कर मारकर करीब 150 मीटर तक घसीट दिया। इसमें चालक गुल हसन और एक महिला की मौत हो गई। हादसे में सात लोग घायल हुए है। ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रहे विक्रम को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर विक्रम को करीब 150 मीटर तक घसीटते हुए ले गया।हादसे में विक्रम चालक गुल हसन (45) निवासी गांव मासूमपुर, थाना डिलारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अज्ञात महिला ने भी दम तोड़ दिया। सात अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।आरोप है कि सूचना के बावजूद 108 एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने घायलों को निजी वाहनों से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर विधायक नवाब जान मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिल राहत कार्य शुरू किया। विधायक ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना

संक्षिप्त समाचार

बाबा बागेश्वर ने संगम में लगाई डुबकी, श्री बड़े हनुमानजी का लिया आशीर्वाद

बाबा बागेश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को संगम

में डुबकी लगाई। इसके बाद श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान जयश्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहेबाबा बागेश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान जयश्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे। बाबा बागेश्वर धाम के महंत आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा संगम के किनारे अरैल क्षेत्र में चल रही है। दूसरे दिन बुधवार को धीरेंद्र कृष्ण बजरंग बली का दर्शन करने के लिए श्री बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। कड़ी सुक्षा व्यवस्था बीच उन्होंने संगम में डुबकी लगाई और विधि-विधान से मां गंगा का पूजन किया। इसके बाद दुग्ध, नैवेद्य का अर्पण कर मां गंगा की आरती उतारी। इस बाद मंदिर पहुंचकर श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन किया। उनको पूजन महंत बलवीर गिरि ने कराया। इसके बाद उन्होंने अक्षयवट का भी दर्शन किया। दूसरी दिन की कथा में पहुंचे डिप्टी सीएम केशव, राजाभैया और निरहुआ

अरैल घाट पर चल रही बाबा बागेश्वर धाम की हनुमंत कथा में दूसरे दिन बुधवार को कई नेताओं और साधु-संतों ने हिस्सा लिया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया, परमार्थ आश्रम निकेतन स्वामी चिदानंद मुनि, पूर्व सांसद दिनेश लाल निरहुआ, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, महाभारत सीरियल में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर आदि पहुंचे।

महिला को होटल में बंधक बनाकर रखा, जान बचाकर भागी तो हुआ ऐसा कांड, जीते जी मर गई वो; सन्न कर देगी आपबीती

यूपी के आगरा जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक महिला नग्न अवस्था में मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। महिला ने जो आपबीती सुनाई, उसे सुन हर कोई सन्न रह गया। आगरा के खंदौली इलाके में एक महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक युवक की फेसबुक पर उत्तराखंड की महिला से दोस्ती हुई। 12 दिन पहने युवती युवक से मिलने के लिए आगरा पहुंची। आरोप है कि एक होटल में महिला को बंधक बनाकर रखा। आरोपी के चंगुल से किसी तरह से युवती बचकर भाग निकली। उसने एक ऑटो की मदद ली। आरोप है कि ऑटो सवार दो युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी उसको खंदौली के अगरपुर में नग्न अवस्था में छोड़ गए। पीड़िता को एक फैक्ट्री के गार्ड ने देखा। पुलिस को सूचना दी। डीसीपी आदित्य सिंह का कहना है कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया है। जिस युवक पर बंधक बनाने का आरोप है, वो उसका पति है। महिला के दो बच्चे हैं। वे न्यू आगरा इलाके में रह रहे हैं। महिला के होश में आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सैन्यकर्मी की पत्नी की गला दबाकर हत्या, पति फरार, सुभाषनगर पुलिस तलाश में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /? बरेली । सुभाषनगर थाना क्षेत्र की वैष्णो धाम कॉलोनी में मंगलवार दोपहर करीब 40 वर्षीय गीता यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। महिला अपने दो बच्चों और भतीजी के साथ घर में रह रही थीं। पुलिस के अनुसार, गीता के पति भरत सिंह यादव, जो पंजाब के फिरोजपुर में सेना में तैनात हैं, घटना वाले दिन छुट्टी पर घर आए हुए थे। सीसीटीवी फुटेज में वह सुबह करीब 11-15 बजे घर में प्रवेश करते और लगभग एक घंटे बाद बाहर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में भरत सिंह के कंधे पर बैग और हाथ में छाता नजर आ रहा है। पुलिस का मानना है कि उसने पहचान छुपाने की कोशिश की। हालांकि फुटेज स्पष्ट नहीं है, लेकिन बड़े बेटे ने अपने पिता के रूप में उनकी पहचान की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रथम दृष्टया महिला की गला दबाकर हत्या किए जाने के संकेत मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट से मौत की पुष्टि होगी। परिवार से पूछताछ में सामने आया है कि दंपती के बीच पहले से अनबन चल रही थी। घटना के समय घर में केवल पति-पत्नी ही मौजूद थे, जिससे शक और गहरा गया है। पुलिस ने बताया कि भरत सिंह से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन वह कभी फोन ऑन करता तो कभी बंद कर देता है और सामने आने से बच रहा है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने मौके का निरीक्षण कर मामले के जल्द खुलासे के निर्देश दिए हैं। पुलिस टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं और गिरफ्तारी के बाद ही हत्या की असली वजह सामने आने की उम्मीद है।

कांग्रेस का गरजा वार: सरकार पर तीखे हमले, चुनावी रणनीति पर तेज धार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /? बरेली । जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी की संयुक्त मासिक बैठक बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें नेताओं ने सरकार पर जमकर निशाना साधा और आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असफाक सक्लेनी ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। जिलाध्यक्ष असफाक सक्लेनी ने अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि जनता को सरकार की नीतियों और जमीनी हकीकत से रूबरू कराया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के नाम पर राजनीति तो हो रही है, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उसकी नीतियों का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच रहा। उन्होंने रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाया।उन का कहना था कि युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है, महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं और किसानों को उनकी फसल का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल ने भी सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले चुनाव में जनता इसका करारा जवाब देगी। बैठक के अंत में पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसीन किदवई, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह और मंजूर अली के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस बैठक में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे साफ है कि पार्टी अब चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश सरकार के लिए बड़ा सवाल किसान हुए परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ मध्य प्रदेश में अधिकतम किसान कृषि आधारित क्षेत्र अधिक है, किसानो की फसल गेहूं तुलाई अन्य वर्ष की अपेक्षा हो चुकी होती लेकिन अभी आज तक आशा में ही अटके हुए हैं। इसी संबंध में भारतीय किसान संघ किसानो की आवाज को सक्रियता से उठा रहा है और देखना है कि मध्य प्रदेश सरकार कितने समय लगती है किसानो की समस्या का समाधान करने में, विदिशा जिले से अब जनप्रतिनिधि भी किसानों के साथ सड़कों पर उतरने के लिए तैयार आश्वासन दे रहे है।गेहूं चना मसूर में स्लॉट एवं तुलाई अन्य समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधि मंडल शमशाबाद नटेरन विदिशा तहसील ने मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के नाम शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा जी को दिया ज्ञापन

दहेज हत्या में पति समेत चार लोगों पर की रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /? बरेली । बरेली। फरीदपुर क्षेत्र में मायके वालों की तहरीर पर पुलिस ने तीन दिन बाद पति, ससुर, देवर-देवरानी समेत चार लोगों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। शाहजहांपुर के थाना मदनापुर के गांव बरखेड़ा निवासी रामऔतार ने छह वर्ष पहले बेटी कमलेश (35) का विवाह फरीदपुर में एकतानगर कॉलोनी में रहने वाले राकेश के साथ किया था। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वाले दहेज में प्लाट की मांग कर रहे थे। रामऔतार ने बताया कि वह मेरठ में रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। रविवार को मोहल्ले वालों ने जहर देकर कमलेश की हत्या किए जाने की सूचना दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों का खुलासा न होने पर विसरा सुरक्षित किया गया। इस मामले में मंगलवार देर रात पुलिस ने पति राकेश, देवर राजेश, देवरानी कमला देवी, ससुर श्रीपाल के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शादी से पहले मामी ले भागा दूल्हा: फंस गया 14 साल का छोटा भाई, 26 की दुल्हन से कराई जा रही थी शादी

यूपी के एटा जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। घर से बरात जाने की तैयारी हो रही थी कि तभी दूल्हा मामी को लेकर गायब हो गया।

इसके बाद छोटा भाई मुसीबत में फंस गया। मौके पर पहुंची चाइल्ड हेल्पलाइन छोटे भाई को अपने साथ ले आई।एटा के थाना पिलुआ क्षेत्र के एक गांव में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने एक नाबालिग की शादी रुकवाई। यहां पर उसकी शादी एक 26 वर्षीय युवती के साथ कराई जा रही थी, लेकिन नाबालिग के भाई का प्रेम संबंध उसकी मामी से चल रहा था। वह मामी को लेकर चला गया।

इसके बाद शादी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए छोटे बेटे से शादी कराई जा रही थी।जिले के पिलुआ थाना क्षेत्र के गांव में एक नाबालिग किशोर का बाल विवाह रुकवाया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम को सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर 14 वर्षीय किशोर का बाल विवाह होने से बचाया। चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी ज्योति शर्मा ने बताया कि गांव के युवक की बरात मंगलवार को फिरोजाबाद जानी थी। घर में बरात जाने की तैयारी चल रही थी।

इसी दौरान दोपहर में युवक घरवालों को पार्लर पर जाने की कहकर गाड़ी लेकर चला गया और अपनी मामी को भी साथ ले गया। जब वह शाम तक नहीं लौटा तो पता चला कि वह अपनी मामी को लेकर चला गया है। इसके बाद घर वालों ने छोटे लड़के की शादी कराने की तैयारी की लेकिन सूचना मिलते ही मौके पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंच गई। नाबालिग किशोर का बाल विवाह होने से बचा लिया।उन्होंने बताया कि किशोर को फिलहाल चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में रखा गया है। उसे जल्द ही बाल संरक्षण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके बाद किशोर को उसके परिजन को सौंपा जाएगा। इस दौरान केस वर्कर सूर्यप्रताप, परामर्शदाता सपना तोमर और थाना पिलुआ प्रभारी संदीप राणा आदि रहे।

नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट के दिशा-निर्देशन में 62 वीं वाहिनी की वाह्य सीमा चौकी भैंसाहीनाका के अंतर्गत जीवंत गांव कोयलहवा में नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में वाहिनी चिकित्सा अधिकारी डॉ. कल्पना पाटील द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना एवं उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान कुल 52 ग्रामीणों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें 29 पुरुष एवं 22 महिलाएं शामिल रहीं। सभी को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अवदेश कुमार, उप निरीक्षक बालचंद्र सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। सशस्त्र सीमा बल द्वारा इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र की जनता लाभान्वित हो रही है।

गोकशी का अभियुक्त गिरफ्तार अवैध असलहा व कारतूस बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के तहत सिरसिया पुलिस, सर्विलांस व एसओजी पुलिस ने गोकशी के अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अभियुक्त के पास से अवैध असलहा व कारतूस पुलिस ने बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम व क्षेत्राधिकारी भिनगा के पर्यवेक्षण में गोवध निवारण अधिनियम में वांछित अभियुक्त ननठ पुत्र महताब निवासी सम्भारपुरवा, थाना कोतवाली भिनगा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सिरसिया थाना प्रभारी द्वारा पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता, व अनुशासन हीनता के आरोप संज्ञान में आये हैं। उक्त थाना प्रभारी द्वारा गोकशी के अपराधियों से साठ गांठ की गयी जो गम्भीर कदाचार की श्रेणी में आता है। उक्त कृत्य को पुलिस की छवि धूमिल करने वाला मानते हुए एसपी राहुल भाटी ने तत्काल प्रभाव से सिरसिया के थाना प्रभारी को निलम्बित कर दिया है।

टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के तहत 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में जागरूकता एवं जाँच शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मुख्यालय, स.सी.ब. नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण की अध्यक्षता में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय सघन टीबी के तहत एक जागरूकता एवं जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला श्रावस्ती के क्षय रोग विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ !

कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्री संत कुमार क्षय रोग विशेषज्ञ एवं उनकी टीम द्वारा उपस्थित बल कर्मियों को टीबी की पहचान, जांच प्रक्रिया, उपचार, पोषण सहायता तथा टीबी निवारक उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कमांडेंट वरुण ने, डॉ. संत कुमार और उनकी टीम को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया, तथा अपने संबोधन में कहा कि कहा कि टीबी एक गंभीर बीमारी है लेकिन यह पूर्णत: उपचार योग्य है। समय पर जांच और सही इलाज से पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि हम सब जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। तत्पश्चात टीबी रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु वाहिनी के बल कर्मियों की चेस्ट स्क्रीनिंग भी की गई, जिसमें सभी कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में सोनू कुमार, उप कमांडेंट डॉ. कल्पना पाटील, सहायक कमांडेंट (वाहिनी चिकित्सा अधिकारी), अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे। यह पहल टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्वास्थ्य जागरूकता और समय पर उपचार को बढ़ावा देता है।

थाना पोहरी पुलिस द्वारा प्रकरण क्रमांक 231/17 में 3 साल से फरार स्थाई वारण्टी गोलू उर्फ दीपक गोस्वामी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एस.डी.ओ.पी. पोहरी श्री आनन्द राय के मार्गदर्शन मे फरारा आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना पोहरी पुलिस को 3 वर्ष से फरार स्थाई वारण्टी गोलू उर्फ दीपक पुत्र मानगिरी गोस्वामी उम्र 28 साल निवासी ग्राम घटाई थाना पोहरी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। फरार स्थाई वारण्टी गोलू उर्फ दीपक पुत्र मानगिरी गोस्वामी उम्र 28 साल निवासी ग्राम घटाई माननीय न्यायालय विषेश न्यायाधीश अपर सत्र शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 231/17 में माननीय न्यायालय में सुनवाई के दौरान दिनांक 17.03.2023 से फरार चल रहा था। स्थाई वारण्टी घटना के बाद से राजस्थान में रह रहा था। मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि फरार वारण्टी गाँव में आया हुआ है तब थाना प्रभारी निरी. रवि चौहन द्वारा तत्काल टीम बनाकर फरार वारण्टी की तलाश हेतु रवाना किया। बाद रवाना शुदा टीम की तत्परता से घेराबंदी कर फरार स्थाई वारण्टी को गिरफ्तार किया बाद माननीय विशेष न्यायालय शिवपुरी में पेश किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में निरी. रवि चौहन, प्रआर 336 नीरज सेंगर, आर.1189 राजकुमार माहौर, आर. 1100 उमाशंकर, आर. चालक 1156 सुनील पाल की सराहनीय भूमिका रही।

राज्य व वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को, कई वस्तुएं रहेंगी प्रतिबंधित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। राज्य एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन 26 अप्रैल, रविवार को जिला मुख्यालय शिवपुरी में दो सत्रों में किया जाएगा। म.प्र. लोक सेवा आयोग इंदौर के निर्देशानुसार परीक्षा के दौरान सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षार्थियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, स्मार्ट व एनालॉग घड़ी सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, स्केल, बैग, पठन सामग्री, चाबी, लाइटर, माचिस, बेल्ट, सनग्लास, पर्स, टोपी जैसी वस्तुएं भी वर्जित रहेंगी। जूते-मोजे पहनकर प्रवेश निषिद्ध रहेगा तथा धार्मिक वस्तुओं की भी सूक्ष्म जांच की जाएगी। वहीं, परीक्षार्थियों को ई-प्रवेश पत्र, वैध फोटो पहचान पत्र, काले स्याही का बॉल पेन, पारदर्शी पानी की बोतल और आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अनुमति होगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को आवश्यक सहायक सामग्री ले जाने की छूट दी गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परीक्षार्थी के पास प्रतिबंधित सामग्री पाए जाने पर अनुचित साधन प्रकरण दर्ज किया जाएगा। साथ ही परीक्षा कक्ष में अनुशासनहीनता या बातचीत करने पर भी कार्रवाई की जाएगी। प्रवेश के लिए केवल आयोग द्वारा जारी मूल प्रवेश पत्र मान्य होगा। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर फोटो या हस्ताक्षर स्पष्ट नहीं हैं, उन्हें निर्धारित स्थान पर फोटो चिपकाकर प्रमाणित कराना होगा। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से निर्देशों का पालन करने और समय से परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

Is your meter running fast or is your bill incorrect? How to complain immediately

If your electricity bill is high, you can complain and get it rectified. You can learn how to do so here. Whenever we make a household budget, we include all expenses, both large and small. The electricity bill is also included, as the electricity bill is different in summer and winter. However, many people complain that their meter is running too fast, resulting in a high electricity bill. If you are experiencing this problem, you can complain. Let's learn how to complain about rising electricity bills... What causes inaccurate electricity bills? Errors in meter readings, even if manual readings are taken, sending electricity bills based on estimates, missing bills in one month, then receiving a bill all at once, or a faulty meter, etc. How to complain? Offline - You can directly go to the electricity office and lodge your complaint. Here you can submit your written complaint to the concerned officer. The department takes cognizance of your complaint. Online - If you do not want to go to the electricity office and lodge your complaint offline, you can also lodge a complaint online. For this, you have to visit the official portal of the electricity department of your state and from here you can lodge your complaint. What action is taken after the complaint? When you lodge your complaint with the electricity department, then the electricity department gets your meter checked. For this, electricity department officials come to your house. If the meter is faulty, it is replaced. If the reading is wrong, the electricity bill is also reduced.

Has your driving license expired? Learn about the renewal process.

Those whose driving licenses have expired should renew them in time. Let's explore this in detail in this article. If you've noticed, a driving license has a time limit, after which it becomes invalid. An expired driving license not only prevents you from driving on the road, but can also result in a hefty fine if caught. In India, driving licenses are typically valid for 20 years or until the age of 40, after which it must be renewed. The renewal process is now completely contactless and digital, eliminating the need to visit the RTO. If your license has expired more than a year ago, you may have to take a driving test again, so it's wise to apply early. How to apply for renewal? Visit the official website, parivahan.gov.in, and select 'Driving Licence Related Services'. Next, select your state. Enter your DL number and date of birth, which will bring up your old information on the screen. Upload the old license photo, current address, and, if you are over 40, Form 1-A (medical certificate). Pay the renewal fee and save the receipt for future reference. Required Documents and Eligibility: Have these items ready before applying: Original driving license that has expired. Aadhaar card or passport can be used as proof of address. Applicants over 40 years of age require a doctor-certified Form 1-A. Keep a recent, clear, color photograph and digital signature handy. Important Deadlines and Penalties: After your license expires, you have a 30-day grace period during which you can apply without penalty. Applying after the grace period will incur an additional late fee per year. If you apply after one year of expiry, you will need to book a test slot again and pass the driving test. Benefits of digital licenses: Chip-based smart cards are now issued, which can also be stored digitally on the m-Parivahan app. After verification, the new license is delivered to your home via speed post. Digital records make it much easier to obtain a duplicate license if it's lost.

Do you also suffer from a persistent sweet craving? Is this a sign of an underlying illness?

Some people suddenly crave sweets, even in small quantities, but only after eating something sweet can they feel at peace. However, the reasons behind this lie in Ayurveda. Doctors advise minimizing sweets and sugary foods for good health. But have you ever noticed that you suddenly crave a lot of sweets? This craving often worsens after eating. Is this excessive sweet craving a sign of a health problem? Everyone loves sweets, and a sudden increase in sweet cravings after a meal can be a sign of a health problem. While people consider this craving normal, it may not be normal but may indicate a underlying problem or hormonal imbalance. Both medical science and Ayurveda consider this a detrimental signal for health. If you frequently crave sweets, you need to be a little cautious. Excessive cravings for sweets - Frequent cravings for sweets aren't just a habit; they indicate a physical imbalance. Even a small amount of something sweet can bring peace to the mind. If you experience such cravings repeatedly, they're a sign of a physical imbalance. When all the hormones in the body are balanced, there's no craving for any particular taste, whether sweet or sour. The body and mind signal food when hungry, not for a specific taste. Studies have found that frequent sweet cravings can sometimes be a sign of sugar imbalances, hormonal changes, or even certain diseases. If you crave sweets multiple times a day and can't control it, it's best not to ignore it. What are the causes? Studies show that this type of problem is more common in pre-diabetes. Fluctuations in blood sugar can cause a strong craving for sweets. When you're hungry for long periods or eat a high-carb diet, your blood sugar spikes, making your body crave sugar immediately. Furthermore, when you're stressed, the hormone cortisol increases in your body, which also increases your craving for sugar and junk foods. Lack of sleep increases the hunger hormone ghrelin, leading to a greater craving for sweets. Ayurveda considers this an imbalance between vata and pitta. When both doshas are imbalanced, the craving for sweets increases. This can also lead to weakness, as eating sweets daily may calm the mind but gradually weaken the body. A lack of energy or low blood pressure can increase the craving for sweets. Sweets provide energy and reduce hunger. Along with this, magnesium deficiency is also a major reason behind this. How to control the habit of eating sweets - It is important to control the habit of eating sweets because excessive craving for sugar can increase many health problems for you. Improve your diet. By including protein, fiber and healthy fats, blood sugar remains stable and cravings are reduced. Take small meals throughout the day, so that you do not feel too hungry. Staying hungry for a long time increases the desire to eat sweets. When you feel like eating sweets, you can eat healthy options like fruits, dates or dark chocolate. If this problem is going out of your control, then definitely take the advice of a doctor in time.

Do Deepika Padukone and Ranveer Singh have different opinions on the eight-hour work shift? The 'Dhurandhar' actor had this to say.

The debate over the eight-hour work shift continues in the industry. Different stars are holding different opinions on the issue. Deepika Padukone demanded eight-hour work shifts in cinema after becoming a mother. However, her husband and actor Ranveer Singh has a different opinion on the matter. Actress Deepika Padukone and Ranveer Singh are parents to a daughter, Dua. After becoming a mother, Deepika Padukone demanded eight-hour work shifts in cinema. Disagreement with this stance led to her losing some films. The issue of eight-hour work shifts also sparked debate in the industry. The issue has once again heated up. Recently, MP and actress Kangana Ranaut supported Deepika Padukone. While Deepika openly talks about eight-hour work shifts, Ranveer has a different opinion on the matter. Find out how Deepika and Ranveer's opinions differ. - It should be noted that after becoming a mother, Deepika Padukone had said about working eight-hour shifts, saying that working more than eight hours is considered a commitment in the industry. Meanwhile, Kangana Ranaut supported Deepika on this issue in a recent interview. Following this, the debate regarding eight-hour shifts has once again erupted in the industry. Many spoke in support of Deepika, but Ranveer holds a different opinion on this matter. While Deepika Padukone connects eight-hour shifts to mental and physical health, for Ranveer Singh, work is everything. Ranveer Singh worked non-stop on 'Dhurandhar' - Ranveer Singh is currently in the news for the film 'Dhurandhar 2'. He worked continuously without taking breaks on this film, which he has revealed in several posts. Director Aditya Dhar himself stated that the entire team, including Ranveer Singh, worked 16-18 hours a day. Actor Ranveer Singh also revealed in an old interview that his co-stars had problems because he didn't believe in eight-hour shifts. What does Ranveer Singh think? Ranveer Singh said, "It's very difficult to work in eight hours in Hindi cinema or while making a film. So, shoot a little more, because I don't see work as a transaction." According to news agency IANS, he jokingly said, "My co-stars are also upset with me because they feel that I'm forcing them to work longer shifts and that I'm ruining the shift standards in cinema. But if what we need for a scene doesn't come out in eight hours, so what? Shoot a little more." It's important to clarify that Ranveer Singh's statement came before Deepika Padukone's, when they were working on several films together. Deepika Padukone turned down "Spirit" - When Deepika Padukone spoke out about the eight-hour shift, many celebrities supported her statement. However, Ranveer Singh remained silent on the matter. Directors like Sandeep Reddy Vanga and Farah Khan strongly opposed it. This was the reason why Deepika Padukone turned down Sandeep Reddy Vanga's film "Spirit." After this, the role played by Deepika went to Tripti Dimri.

Elli Avram made a shocking revelation about the Bollywood industry, saying, "Even if you faint, you still have to take the shot."

In a recent interview, Elli Avram revealed the difference between Bollywood sets and South Indian sets. Find out which industry she considers better. Actress Elli Avram, who has worked in Tamil, Kannada, and Hindi films, recently opened up about the differences between working in Bollywood and South Indian films. Sharing her experiences, Elli explained that both industries have taught her a lot, but she found the atmosphere on South Indian film sets to be more calm, organized, and respectful. In a recent interview with Bollywood Bubble, Elli said that she has had good experiences in both industries, but the working style is different. She said, "My experience has been good in both South and Bollywood. But I felt more peaceful on South Indian sets. Everything happens a little faster in Bollywood." In the South, people use walkie-talkies instead of shouting. My experience in Bollywood has been that even if you're eating, you're told your shot is ready. It's as if they don't care whether you've eaten or not, or even if you faint, you still have to take the shot.' Sharing a recent experience - However, Elli also clarified that this experience can vary depending on each team. She shared that she recently worked on a Netflix project, where the entire team ensured that all the actors were properly fed, comfortable, and well-cared for. She described it as a wonderful experience. Elli Avram's work front Elli Avram made her Bollywood debut in 2013 with the film "Mickey Virus" opposite Manish Paul. That same year, she appeared on Salman Khan's reality show "Bigg Boss 7," where her personality and interaction with the host caught people's attention. She later gained further recognition with Kapil Sharma's film Kis Kisko Pyaar Karoon (2015), which was a box office hit.

Priyanka Chopra is watching this picture of Aishwarya Rai and Salman Khan; Desi Girl shares glimpses of her leisure time

Bollywood's Desi Girl, Priyanka Chopra, shared a post on social media. In it, the actress shared glimpses of some of her leisure time. A glimpse of Salman Khan and Aishwarya Rai is also seen in PeeCee's post. Actress Priyanka Chopra has earned considerable fame from Bollywood to Hollywood. After a long time, she will be seen on screen in an Indian film. The film is titled "Varanasi." Amidst the buzz surrounding this film, Priyanka was seen enjoying some Bollywood films in her free time and also enjoying her favorite food. Today, Saturday, she shared some photos with fans through a post on social media. Priyanka Chopra's post shows glimpses of Salman and Aishwarya! Priyanka Chopra shared a post on her Instagram account with the caption, "Something here, something there." In this post, the Desi Girl shared several photos. One photo shows a scene from a film starring Aishwarya Rai and Salman Khan playing on television. This scene is from Salman and Aishwarya's film "Hum Dil De Chuke Sanam." Priyanka Chopra spent quality time with friends. In addition to "Hum Dil De Chuke Sanam," Priyanka Chopra enjoyed several other Bollywood films and songs. A glimpse of this is also seen in her post. A scene from a Madhuri Dixit film is also shown on television. There's also a scene from a film starring the late actress Sridevi. In some of the photos, the actress is seen swimming and spending quality time with friends. "Don't let anyone underestimate you," Priyanka Chopra shared a poster, which chronicles her struggles from Bollywood to Hollywood and establishing herself there. The poster reads, "For the woman who went to a new country, learned a new system, and created a new life." With no village, no safety net, no guarantee she would succeed, and yet she did it. With a smile on the outside and fear on the inside. She did it all. Don't let anyone underestimate you.